ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-24 अंक-04 मई-II-2022 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

सकारात्मक परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाना ज़रूरी

ब्रह्माकुमारीज़ के स्पार्क विंग द्वारा 'स्पीरिचुअलिटी इन रिसर्च' सेमिनार

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ के स्पार्क विंग द्वारा ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'स्पीरिचुअलिटी इन रिसर्च' विषय पर आयोजित सेमिनार में अंगोला के मंत्री सलाहकार जोआकिम फ़िलिप,उच्चायोग,नई दिल्ली ने कहा कि सकारात्मक जीवन जीने के लिए नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य ज़रूरी हैं। आध्यात्मिक शक्ति से जीवन में अनुशासन आता है। उन्होंने कहा कि जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिए हमें स्वयं के भीतर जाकर आंतरिक गुणों को जागृत करने की आवश्यकता है। स्टारेक्स युनिवर्सिटी, गुरुग्राम के वाइस चांसलर डॉ. एम.एम. गोयल ने 'मेरी नज़र में स्वर्णिम भारत' विषय पर सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा में आध्यात्मिक मूल्यों के समावेश से ही हम एक बेहतर विश्व की आधारशिला रख सकते हैं। संस्कार परिवर्तन से ही संसार परिवर्तन होगा। संस्थान के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि परमात्मा ने जब सृष्टि को रचा तो उसका स्वरूप बहुत ही सुंदर और स्वर्णिम था। लेकिन मानव ने अपने कर्मों के द्वारा आज उसे इस स्तर तक पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि अपने श्रेष्ठ कर्मों के आधार से ही हम इसको फिर वही स्वरूप प्रदान कर सकते हैं। ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था विचारों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देती है। श्रेष्ठ विचारों के आधार से ही हम कामयाबी के शिखर पर पहुंच सकते हैं। कोई भी संकल्प जब सामूहिक रूप से किया जाता है तो परिवर्तन अवश्य होता है। उन्होंने कहा कि संकल्प के साथ-साथ इच्छा शक्ति का होना भी ज़रूरी है। डॉ. रामचन्द्रन,उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डिफेंस इंस्टीट्यूट,साइकोलॉजिकल ऑफ रिसर्च,डीआईपीआर,डीआरडीओ ने कहा कि स्वर्णिम भारत बनाने में हम योगदान देना चाहते हैं तो उसके लिए अपने विचारों को रिफाइन करने की आवश्यकता है। डॉ. अनिल कुमार मिश्रा,वैज्ञानिक और निदेशक, परमाणु चिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान,आईएनएमएएस,डीआरडीओ ने बताया कि हमें सिर्फ भारत को ही स्वर्णिम नहीं बल्कि सारे विश्व को स्वर्णिम बनाना है। सबके प्रयास से ही ये कार्य संभव होगा। स्पार्क विंग की अध्यक्ष ब्र.कु. अम्बिका बहन ने विंग की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि विंग के माध्यम से हम विज्ञान के साथ आध्यात्मिकता के समन्वय द्वारा एक समग्र समाज की स्थापना करना चाहते हैं। ब्र.कु. सरोज बहन ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। इस अवसर पर मारूति सुजुकी के एक्ज़ीक्युटिव डायरेक्टर तपन साहू ने भी कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। ब्र.कु. अनीता बहन एवं ब्र.कु. अल्का बहन ने सभी को राजयोग के अभ्यास द्वारा आत्मिक अनुभूति कराई। डॉ. सुशील चन्द्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डीआरडीओ ने कहा कि वे काफी समय से ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े हैं और यहाँ ये जाना है कि आध्यात्मिकता एक सकारात्मक दृष्टिकोण है जो स्वयं के प्रति और दूसरों के प्रति हमारी सोच में परिवर्तन लाता है। कार्यक्रम संचालन ब्र.कु. रूपेश ने किया।

आज़ादी के अमृत महोत्सव एवं 'भाग्यविधाता' का भव्य शुभारंभ

बैतुल-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव एवं नव निर्मित भवन 'भाग्यविधाता' के शुभारंभ अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई ने कहा कि भाग्यविधाता परमात्मा पिता ने अपने संकल्पों से 'भाग्यविधाता भवन' का निर्माण करवाया है। आज़ादी के अमृत महोत्सव के शुभारंभ पर इस भवन का उद्घाटन ईश्वरीय सेवाओं को नया आयाम देगा और निश्चित ही परमात्म प्रत्यक्षता का साधन बनेगा। आज आज़ादी के अमृत महोत्सव पर हम संकल्प लें कि हम क्रोध मुक्त, ईर्ष्या द्वेष, विकार से मुक्त भारत बनायेंगे। भोपाल ज़ोन की निर्देशिका राजयोगिनी ब्र.कु. अवधेश दीदी ने सभी बैतुल के भाई-बहनों को बधाई देते हुए कहा कि ये बहनों की तपस्या का ही फल है जो इतना सुंदर भवन बनकर तैयार हुआ। ये सत्यम् शिवम् सुंदरम् की सुंदरतम् रचना है जो इस संगम समय पर अनेकों का भाग्य जगाने और प्रभु मिलन कराने का साधन बनेगा। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी,मा.आबू ने अपनी शुभ भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि अब आवश्यकता है कि हम बुराइयों से मुक्त हो सच्ची आज़ादी मनायें। आज हर मनुष्य पाँच विकारों का गुलाम है और जब तक इन विकारों से आज़ादी नहीं मिलेगी हमारा भारत स्वर्णिम भारत, स्वर्गिक भारत नहीं बन सकता। इस मौके पर सांसद डी. डी. उइके, विधायक निलय डागा, विधायक योगेश पंडाग्रे,आमला, पुलिस अधीक्षक सिमाला प्रसाद एवं भोपाल ज़ोन के सभी वरिष्ठ बहनें एवं भाई मुख्य रूप से उपस्थिति रह अपने विचार रखे।

'गीता ज्ञान की एक शाम' कार्यक्रम का आयोजन

'गीता ज्ञान की एक शाम' का 'भाग्यविधाता भवन' के विशाल सभागृह में अगले दिन आयोजन हुआ जिसमें राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी,मा.आबू ने कहा कि गीता हमें स्वयं की पहचान कराती है। गीता के माध्यम से परमात्मा पिता हमें हमारे अन्दर निहित गुणों की, शक्तियों की पहचान कराते हैं और हमें राजयोग सिखाते हैं। परमात्मा हमें ज्ञान, पवित्रता और प्रेम के आधार पर जीना सिखाते है, यही सच्चे सुख का आधार है। इस कार्यक्रम में शहर के विशिष्ट लोगों और बुद्धिजीवियों को आमंत्रित किया गया जहां सभी ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए ऐसे कार्यक्रम को पुनः पुनः आयोजित किये जाने की इच्छा ज़ाहिर की।

तीन बहनें हुईं परमात्मा शिव को समर्पित

उद्घाटन महोत्सव के अवसर पर बैतूल की तीन बहनों ब्र.कु. प्रतिभा, ब्र.कु. रोशनी व ब्र.कु. दिव्या का दिव्य समर्पण हुआ। सभा में उपस्थित महान विभूतियों के भव्य इस समारोह में भव्य शिव बारात का आयोजन किया गया। समर्पित हो रही बहनों ने शिव लिंग के फेरे लगाते हुए ईश्वरीय जीवन प्रति 7 प्रतिज्ञाएं लेकर स्वयं को ईश्वरीय सेवा अर्थ परमात्मा शिव के हवाले कर दिया।

ब्रह्माकुमारीज़ ने बुज़ुर्गों के साथ मनाया 'वर्ल्ड हैप्पीनेस डे'

प्राचीन धरोहरों की तरह बुज़ुर्गों को भी संरक्षण की आवश्यकता

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत 'वर्ल्ड हैप्पीनेस डे' पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. कल्पना बहन ने कहा कि हम वर्ल्ड हैप्पीनेस डे वृद्धजनों के साथ मना रहे हैं क्योंकि वर्तमान समय सभी लोग अन्य चीज़ों में अपनी खुशी ढूढ़ लेते हैं लेकिन उनके पास बुज़ुर्गों के लिए समय नहीं है। हम उन्हें अपने से दूर करते जाते हैं लेकिन हम यह नहीं समझते कि अपने परिवार से दूर रहकर वह और जल्दी बूढ़े हो जाते हैं क्योंकि उन्हें अकेलापन अंदर से कमज़ोर कर देता है और वे अपने को अपेक्षित महसूस करते लगते हैं। इसीलिए ब्रह्माकुमारीज़ ने यह दिन बुज़ुर्गों के साथ मनाने का सोचा। कार्यक्रम में भारतीय धरोहर दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर,इग्नू के पूर्व डायरेक्टर,पूर्व लोकपाल महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय छतरपुर डॉ. कृपा शंकर तिवारी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी चरण पादुका सेवा समिति एवं पेंशनर्स एसोसिएशन सम्भागीय अध्यक्ष समन्वय समिति शंकरलाल सोनी, पूर्व डी.ई.ओ. शिक्षा विभाग आर.के. मिश्रा, पेंशनर्स एसोसिएशन के जे.पी. मिश्रा, दर्शना महिला समिति अध्यक्ष श्रीमति प्रभा वैद्य आदि उपस्थित रहे एवं अपने विचार रखे। ब्र.कु. रीना बहन ने कहा कि जिस प्रकार हमारे देश की पुरानी इमारतों को हम धरोहर के रूप में संरक्षित रखते हैं उसी प्रकार बुज़ुर्गों को भी हमारे संरक्षण की आवश्यकता है। हम सभी का कर्त्तव्य है कि हम उनकी सेवा करें और उन्हें अपने परिवार से दूर ना करें। ब्र.कु. भारती बहन ने परमपिता परमात्मा शिव का परिचय दिया। मौके पर दर्शना वृद्ध आश्रम के वृद्धजन एवं शहर के अनेक बुज़ुर्ग उपस्थित रहे। ब्र.कु. रजनी बहन, ब्र.कु. मोहिनी बहन एवं ब्र.कु. पूनम बहन द्वारा अनेक प्रकार की खुशियों से सम्बंधित और ज्ञानवर्धक एक्टिविटीज़ कराई गई जिसमें सभी बुज़ुर्गों ने भाग लिया और बहनों के साथ डांस करते हुए होली भी मनाई।